बड़े भाई साहब

प्रेमचंद

प्रदत्त कार्य-1 : वाद-विवाद

विषय : बड़े भाई साहब छोटे भाई से समझदार हैं।

उद्देश्य :

- विषय की समझ।
- तर्क-वितर्क की क्षमता।
- व्यक्तिगत दृष्टिकोण का विकास।
- चिंतन कौशल का विकास।
- समानुभूति तथा सहानुभूति की क्षमता में वृद्धि।

निर्धारित समय : 2 मिनट प्रति विद्यार्थी (तीन कालांश)

प्रक्रिया :

1. सामूहिक कार्य।
2. शिक्षक विद्यार्थियों को दो-दो के वर्ग में बाँट कर विषय के संदर्भ में संक्षेप में समझाएँ।
3. प्रत्येक वर्ग से एक विद्यार्थी पक्ष में और एक विपक्ष में अपने-अपने विचार प्रस्तुत करेगा।
4. मूल्यांकन के आधार बिंदुओं को पूर्व में ही बता दिया जाएगा।
5. विद्यार्थियों को तैयारी के लिए एक दिन का समय दिया जाएगा।
6. शिक्षक श्यामपट्ट पर मूल्यांकन प्रपत्र तैयार कर स्तरानुसार अंक देंगे-

क्र०	नाम	विषय	प्रस्तुति	भाषा	कुल अंक
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

7. पक्ष व विपक्ष के मुख्य बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।

टिप्पणी :

- अध्यापक अन्य बिन्दुओं के आधार पर भी मूल्यांकित कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रत्येक वक्ता को अभिप्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- अच्छे प्रस्तुतीकरण की सराहना।
- कमजोर प्रस्तुतीकरण में सुधार तथा सराहना।
- मुख्य तार्किक बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखना।
- शिक्षक को विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए।

प्रदत्त कार्य-2 : विचार विमर्श

विषय : 'जीवन में समय नियोजन की आवश्यकता'

उद्देश्य :

- विषय को समझना।
- समय के महत्व को समझना।
- समय का उचित उपयोग।
- चिंतन कौशल का विकास।
- आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करना।

निर्धारित समय : (दो मिनट प्रति विद्यार्थी)– तीन कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक छात्रों के समक्ष पाठ में निहित समय नियोजन के संदर्भ में बात करेंगे। चर्चा में विद्यार्थियों को शामिल करेंगे।
3. चर्चा के बाद विद्यार्थियों को गतिविधि के बारे में बता कर समय दिया जाएगा।
4. मूल्यांकन के आधार छात्रों को पहले ही बता दिए जायेंगे।
5. प्रत्येक को बोलने के लिए दो मिनट का समय दिया जाएगा।

6. शिक्षक निर्णायक की भूमिका में रहेंगे।

7. एक वक्ता की प्रस्तुति के समय अध्यापक एवं अन्य छात्र उनका मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

क्र०	नाम	विषय (2)	प्रस्तुति (2)	आत्मविश्वास (1)	कुल
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

टिप्पणी :

- शिक्षक आवश्यकतानुसार अन्य मूल्यांकन बिन्दुओं को भी मूल्यांकन का आधार बना सकता है।

प्रतिपुष्टि :

- विषय से संबंधित विचार बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखा जाए।
- शिक्षक प्रोत्साहन के साथ आदर्श विचार व्यक्त कर बताएँ।
- समय नियोजन के लिए प्रोत्साहित किया जाए।
- अच्छी प्रस्तुति की सराहना की जाए।

प्रदत्त कार्य-3 : मुहावरों की पहचान।

विषय : पाठ पर आधारित मुहावरे छाँटकर वाक्य में प्रयोग।

उद्देश्य :

- मुहावरों की पहचान।
- वाक्य प्रयोग द्वारा अनुप्रयोग की क्षमता का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि।
- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- मानवीय मूल्यों को समझाना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. अध्यापक छात्रों से कुछ मुहावरे पूछकर श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
3. श्यामपट्ट पर लिखे मुहावरों का छात्रों से वाक्य-प्रयोग करवाया जाएगा।
4. अध्यापक छात्रों को पाठ में से मुहावरे छाँटकर लिखने तथा उनसे सार्थक वाक्य बनाने का निर्देश देंगे।
5. इस कार्य के लिए छात्रों को 10 मिनट का समय दिया जाएगा।
6. अध्यापक विद्यार्थियों की गतिविधियों का ध्यान रखेंगे तथा आवश्यकतानुसार उनका मार्गदर्शन करेंगे।
7. विद्यार्थियों को पूर्व में ही मूल्यांकन के आधार व अंकों के विषय में सूचित किया जाएगा

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- सार्थक वाक्य रचना
- भाषा की शुद्धता – वाक्य स्तर पर, वर्तनी स्तर पर, विराम चिह्न
- वाक्य रचना का स्तर
- कार्य की पूर्णता

टिप्पणी :

- अध्यापक स्वतंत्र रूप से किसी अन्य उपयुक्त मूल्यांकन बिन्दु को आधार बनाकर अंक विभाजन कर सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- समय पर कार्य पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों की सराहना की जाए।
- कार्य पूर्ण न कर पाने वाले विद्यार्थियों को प्रेरणा व सहयोग दिया जाए।

प्रदत्त कार्य-4 : स्वानुभव लेखन

विषय : "जब मेरे कम अंक आए तो....."

उद्देश्य :

- चिंतन-मनन की क्षमता का विकास।

- विचारों को व्यक्त करने की क्षमता का विकास।
- लेखन कौशल का विकास।
- सत्य को स्वीकारने की शक्ति का विकास।
- स्वमूल्यांकन की क्षमता का विकास।
- आत्मविश्लेषण की क्षमता का विकास।
- अंको से हटकर सोचना।
- सीखने पर बल।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक स्वानुभव छात्रों को सुनाएंगे 'जब बचपन में उनकी कमियों पर उन्हें नसीहतें दी गई।' तब उन पर क्या प्रभाव पड़ा।
3. प्रत्येक विद्यार्थी को लिखने के लिए 20 मिनट का समय दिया जाएगा।
4. लिखने के बाद उत्तर पत्रक शिक्षक समेट लेंगे।
5. शिक्षक विद्यार्थियों के लेखन को ध्यानपूर्वक देखकर अगले दिन परिणाम बताने की बात कहेंगे।
6. मूल्यांकन का आधार विद्यार्थियों को पहले से ही स्पष्ट कर दिया जाएगा।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु
- मौलिकता
- भाषायी शुद्धता
- विचारों की क्रमबद्धता
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- शिक्षक आवश्यकतानुसार अन्य उपयोगी बिन्दुओं को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे लेख की सराहना।
- कमजोर/औसत प्रस्तुतीकरण को प्रोत्साहन तथा सशक्त बनाने के उपाय।
- भाषा संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास किया जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : 'बड़े भाई साहब' पाठ का नाट्य मंचन

उद्देश्य :

- विद्यार्थी विषय को समझ सकेंगे।
- अभिनय कला विकसित होगी।
- सहानुभूति तथा समानुभूति के भाव पुष्ट होंगे।
- संवाद बोलने तथा लिखने की क्षमता विकसित होगी।
- समझ एवं प्रस्तुति विकसित होगी।

निर्धारित समय : दो कालांश

प्रक्रिया :

1. समूह कार्य (प्रत्येक समूह में सात-आठ छात्र हो सकते हैं)
2. यह कार्य पूरा पाठ पढ़ाने और समझाने के पश्चात् दिया जाएगा।
3. अध्यापक कहानी को नाटक के रूप में बदलना सिखाएंगे।
4. विद्यार्थियों द्वारा लिखे गए संवाद को बीच-बीच में देखना आवश्यक।
5. मूल्यांकन के आधार बिंदुओं को श्यामपट्ट पर लिखना (प्रत्येक नाटक की प्रस्तुति का समय 5-7 मिनट)
6. तैयारी के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा।
7. अध्यापक सप्ताह के बीच-बीच में छात्रों से उनके कार्य की प्रगति पर बातचीत करके प्रोत्साहित करते रहेंगे।
8. नियत दिन पर प्रत्येक समूह की प्रस्तुति के समय अध्यापक व कक्षा के अन्य समूह उसका मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषयवस्तु
- संवाद शैली

- अभिनय शैली
- सहभागिता व सक्रिय योगदान
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयोगी बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकता है।

प्रतिपुष्टि :

- छात्रों के सामूहिक प्रयासों की सराहना।
- अभिनय विशेष की सराहना।
- कमजोर अभिनय व प्रस्तुति को प्रोत्साहन।
- अभिनय के लिए आवश्यक निर्देश देना।